

आर० मीनाक्षी सुन्दरम्
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य, उत्तराखण्ड/सचिव
उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण,
देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 17 जुलाई, 2017

विषय- उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण के अधीनस्थ जलाशयों की प्रबन्ध व्यवस्था के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-525/जलाशय/2017-18, दिनांक 12.05.2017 एवं संख्या-659/जलाशय/2017-18, दिनांक 30.06.2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण के नियंत्रणाधीन बैंगुल जलाशय में मत्स्य शिकारमाही ठेके की निविदा कार्यवाही सम्पन्न किये जाने हेतु ₹ 54.35 लाख आरक्षित मूल्य निर्धारण किये जाने तथा भारत सरकार की वित्त पोषित केज कल्चर योजना के तहत स्थापित केजों का आरक्षित मूल्य ₹ 9.00 लाख अतिरिक्त निर्धारित किये जाने सहित उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण के अधीनस्थ जलाशयों की प्रबन्ध व्यवस्था निर्धारण सम्बन्धी शासनादेश संख्या-530/XV-2/6(20)/2004, दिनांक 09.08.2012 की संलग्नक शर्तों में निम्न शर्तों को सम्मिलित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1.	01 केज में एक वर्ष अन्तर्गत संचित फिंगरलिंग	-	3400 (संख्या)
2.	संचित फिंगरलिंग का मूल्य @ ₹ 5 प्रति फिंगरलिंग	-	₹ 0.17 लाख
3.	01 केज में एक वर्ष अन्तर्गत मत्स्य आहार की आवश्यकता	-	3.60 टन
4.	मत्स्य आहार का मूल्य @ ₹ 35000/- प्रति टन	-	₹ 1.26 लाख
5.	01 केज में निवेश पर अन्य व्यय	-	₹ 0.15 लाख
6.	कुल निवेश धनराशि (₹ 0.17 + ₹ 1.26 + ₹ 0.15 लाख)	-	₹ 1.58 लाख
7.	01 केज से प्राप्त होने वाला औसतन मत्स्य उत्पादन @2-3 कुन्तल/केज	-	2.50 टन
8.	प्राप्त मत्स्य उत्पादन का मूल्य @ ₹ 100/- प्रति कि०ग्रा०	-	₹ 2.50 लाख
9.	01 केज से प्राप्त शुद्ध लाभ (₹ 2.50 - ₹ 1.58 लाख)	-	₹ 0.92 लाख
10.	कुल 24 केजों से प्राप्त लाभ (₹ 0.92 लाख × 24 केज)	-	₹ 22.08 लाख
11.	आरक्षित मूल्य (प्राप्त लाभ का 40 प्रतिशत)	-	₹ 8.83 लाख
12.	आरक्षित मूल्य (say)	-	₹ 9.00 लाख

- 8) जलाशय में स्थापित केज एवं सम्बन्धित अन्य सामग्रियों यथा फ्लोटिंग हट, एफ०आर०पी० बोट, सालेर एरेटर आदि को किसी भी प्रकार की क्षति पहुँचने पर ठेकेदार से क्षति के दृष्टिकोण से धनराशि वसूली जायेगी। क्षति का आंकलन उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण/मत्स्य विभाग द्वारा इस हेतु गठित समिति के माध्यम से निर्धारित कराया जायेगा, जो अन्तिम होगा।
 - 9) यदि ठेकेदार जलाशय में स्थापित केजों का बीमा कराना चाहते हैं, तो वे अपने स्तर से बीमा कराये जाने हेतु स्वतंत्र होंगे। इस हेतु विभाग/अभिकरण द्वारा कोई वित्तीय सहयोग उपलब्ध नहीं कराया जायेगा।
 - 10) जलाशय में स्थापित केज मत्स्य विभाग/उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण की बौद्धिक सम्पदा है, जिस पर पूर्ण अधिकार मत्स्य विभाग/उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण का होगा एवं केज, हट, मोटर बोट आदि के सम्बन्ध में ठेकेदार को मत्स्य विभाग/उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण की सभी शर्तें मान्य होंगी।
- 3- उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण के अधीनस्थ जलाशयों की प्रबन्ध व्यवस्था निर्धारण के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या- 530/XV-2/6(20)/2004 दिनांक 09.08.2012 की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

भवदीय,

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)
सचिव

संख्या- 206 (1)/XV-3/2017-06(04)/2004, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. अपर मुख्य सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा० मंत्री, मत्स्य, उत्तराखण्ड सरकार को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
5. अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
9. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(आनन्द स्वरूप)
अपर सचिव